BANS 183: पर्यटन मानवविज्ञान

अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य (TMA)

कोर्स कोड: बीएएनएस 183

असाइनमेंट कोड: बीएएनएस 183/ASST/TMA/ जुलाई 2026 और जनवरी 2027

कुल अंक: 100

सत्रीय कार्य में दो अनुभाग हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 500 शब्दों में उत्तर दीजिए। **2×20 =40**

क. मानवविज्ञान की परिभाषा दीजिए। पर्यटन के अध्ययन में सामाजिक एवं भौतिक मानवविज्ञान के योगदान की विवेचना कीजिए।

ख. उपयुक्त उदाहरणों सहित पर्यटन के विभिन्न प्रकारों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। (लघु टिप्पणियाँ लिखें) **3×10=30**

क. सतत पर्यटन की परिभाषा दीजिए तथा उपयुक्त उदाहरणों सहित इसकी विवेचना कीजिए।

ख. भारत में ताजमहल एवं भीमबेटका में किए गए संरक्षण एवं परिरक्षण कार्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

ग. पर्यटक कौन होता है? उपयुक्त उदाहरणों सहित पर्यटन में अतिथि एवं मेजबान के संबंध की व्याख्या कीजिए।

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। **6X5=30**

क. पर्यटन में प्रामाणिकता

ख. पर्यटन में वस्तुकरण

ग. पारिस्थितिक पर्यटन

घ. संग्रहालय

ङ. सांस्कृतिक धरोहर के रूप में भोजन

क. मानवविज्ञान की परिभाषा दीजिए। पर्यटन के अध्ययन में सामाजिक एवं भौतिक मानवविज्ञान के योगदान की विवेचना कीजिए।

उत्तर

मानवविज्ञान मनुष्य का समग्र, तुलनात्मक और वैज्ञानिक अध्ययन है। यह मनुष्य की उत्पत्ति, जैविक विकास, शारीरिक विविधता, सामाजिक संबंधों, सांस्कृतिक मान्यताओं, भाषाओं और बदलती जीवन-पद्धतियों को समझता है। इसका प्रमुख प्रश्न है कि मनुष्य अलग-अलग भौगोलिक और ऐतिहासिक परिस्थितियों में कैसे रहता है, अपनी संस्कृति कैसे बनाता है तथा दूसरों के साथ कैसे संबंध स्थापित करता है। पर्यटन में लोग थोड़े समय के लिए अपने सामान्य निवास-स्थान से बाहर जाते हैं और वहाँ के लोगों, संसाधनों तथा सांस्कृतिक प्रतीकों से संपर्क करते हैं। इसलिए पर्यटन केवल आवागमन अथवा होटल व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवीय व्यवहार और सांस्कृतिक मुलाकातों की प्रक्रिया भी है।

सामाजिक मानवविज्ञान का योगदान

सामाजिक मानवविज्ञान रिश्तेदारी, परिवार, जाति, वर्ग, लिंग, धर्म, परंपरा, स्थानीय संस्थाओं और रोजमर्रा के व्यवहार का अध्ययन करता है। पर्यटन स्थल पर पर्यटक और निवासी अलग पृष्ठभूमि से आते हैं; इस कारण उनके बीच अपेक्षाएँ, उत्सुकता, असहमति और सहयोग पैदा हो सकते हैं। क्षेत्रकार्य, सहभागी अवलोकन तथा साक्षात्कार से मानवविज्ञानी समझते हैं कि स्थानीय परिवार पर्यटन को अवसर मानते हैं या उससे उनकी जीवन-शैली पर दबाव पड़ता है। उदाहरण के लिए किसी पहाड़ी गाँव में होमस्टे से आय बढ़ सकती है, किंतु अतिथियों की बढ़ती संख्या से पानी और निजी स्थान पर दबाव भी आ सकता है। इस प्रकार सामाजिक अध्ययन पर्यटन के वास्तविक प्रभावों को सामने लाता है।

सामाजिक मानवविज्ञान पर्यटन के सांस्कृतिक पक्ष को भी स्पष्ट करता है। त्योहार, नृत्य, हस्तशिल्प, धार्मिक अनुष्ठान और स्थानीय भोजन पर्यटकों के लिए आकर्षण बनते हैं, लेकिन समुदाय के लिए उनका अर्थ केवल मनोरंजन नहीं होता। किसी लोकनृत्य का मंचीय प्रदर्शन और उसका पारंपरिक धार्मिक अवसर अलग संदर्भ हो सकते हैं। मानवविज्ञानी पूछते हैं कि प्रदर्शन की